Sub - Psychology
B.A. Part II (Hons)
Paper - III
Chapter - Introduction to Psychopathology
Topic - Definition & scope of Psychopathology.

By - Nishikant Jaiswal (Assistant Professor)
Dr. L.K.V.D. College Tajpur, Samastipur.

Lecture series No -

Definition & scope of Psychopathology

इस युग में व्यक्ति के सामने जीवन की अनेक समस्याओं की एक लम्बी श्रृंखला है। प्रत्येक व्यक्ति वैयक्तिक, पारिवारिक, सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक समस्याओं के बीच अपना जीवन यापन करता है। व्यक्ति के जीवन की सफलता इन्हीं समस्याओं के साथ उचित ढंग से अभियोजन करने पर निर्भर करती है, अतः वह अपनी समस्याओं का निराकरण करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की चेष्टाएँ करता है। परन्तु मानव जीवन बड़ा कठिन है, अतः व्यक्ति अनेक अवसरों पर वातावरण की जटिल एवं समस्यापूर्ण परिस्थितियों के साथ अभियोजन करने में विफल हो जाता है। व्यक्ति की ये विफलताएँ उसमें घोर निराशा उत्पन्न करती हैं. फलस्वरूप वह मानसिक असंतुलन और क्लेश का शिकार हो जाता है। इस प्रकार व्यक्ति मानसिक

Teachers Signature....................

Scanned with CamScanner

रूप से अस्वस्थ बन जाता है। अतः ऐसे अनाभियोजित व्यक्तियों का अध्ययन एवं उसे अभियोजन के योग्य बनाने की आवश्यकता है इस महान उद्देश्य की पूर्ति मनोविज्ञान की प्रमुख शाखा असामान्य मनोविज्ञान Abnormal Psychology) करता है। ब्राउन (Brown) ने असामान्य मनोविज्ञान की परिभाषा इस प्रकार दी है) 'असामान्य मनोविज्ञान व्यक्ति के लक्ष्य निर्देशित क्रियाओं पर निराशाओं के प्रभाव से उत्पन्न संघर्षों के समाधान के क्रम में विकसित होने वाली असामान्य रूपों की व्यक्तिगत संरचना का अध्ययन करता है।''

स्ट्रेंज (Strange) के अनुसार "असामान्य मनोविज्ञान का संबंध मुख्य रूप से कु-समायोजन तथा किसी तरह से विघटित या विक्षिप्त व्यवहारवाले व्यक्ति के बारे में अध्ययन करने से है।'

असामान्य मनोविज्ञान की प्रकृति या स्वरूप - असामान्य मनोविज्ञान की अनेक मनोवैज्ञानिकों ने परिभाषायें दी है। उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर कुछ सामान्य तथ्य दिये जा सकते हैं जो निम्नवत् हैं। -

I. असामान्य मनोविज्ञान मनोविज्ञान की एक शाखा है।

II. असामान्य मनोविज्ञान के अन्तर्गत असामान्य व्यवहार वाले व्यक्तियों के व्यवहारों, उनकी प्रतिक्रियाओं तथा मानसिक प्रतिक्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।

III. असामान्य मनोविज्ञान का मुख्य अध्ययन विषय कुसमायोजित व्यवहार एवं विघटित व्यक्तित्व है।)

Scanned with CamScanner